an>

Title: Need to pay equal salary for equal work to the contractual school teachers in Bihar.

श्री राजेश रंजन (मधेपुरा) : अध्यक्ष जी, जिस देश में शिक्षक पर लाठी चले और शिक्षक भूखा हो, शिक्षक अपमानित हो, उससे बड़ा मानवता के लिए कलंक नहीं हो सकता है। दो महीनों से लगातार बिहार में चार लाख शिक्षक सड़कों पर हैं, भूख हड़ताल पर हैं। वहाँ का प्रशासन जिस तरीके से स्टालिन और मुसोलिनी से भी क्रूर शासक के रूप में टीचर्स पर लाठी बरसाता है, और जिस तरह से भूख से वहाँ टीचर्स मर रहे हैं,...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : वैसे तो यह स्टेट सब्जेक्ट है, आप बोलिये।

श्री राजेश रंजन : महोदया, चार लाख टीचर्स आज दो महीनों से स्कूल छोड़कर अपने अधिकार के लिए, रोटी और भूख को लेकर, एक काम और एक वेतनमान को लेकर सड़कों पर हैं। अध्यक्ष महोदया, 6000 रुपये और 9000 रुपये में जब किसी मज़दूर की ज़िन्दगी नहीं चल सकती तो एक शिक्षक कैसे पढ़ाएगा, यह सबसे बड़ा सवाल है। मेरा सवाल है कि चार लाख टीचर्स सड़कों पर हैं और दो करोड़ बच्चे वहाँ पढ़ नहीं पा रहे हैं। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि बिहार के शिक्षक को समान वेतनमान मिले, जो माध्यमिक, प्राथमिक और नियोजित शिक्षक हैं, सबका एक काम एक वेतनमान हो। जो लाठियाँ सरकार चलाती है और पुलिस बर्बरता करती है, उसकी जाँच हो, उस पर रोक लगे, शिक्षक का सम्मान और उसका अधिकार संरक्षित हो, यह मैं आपके माध्यम से तथा सदन के माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूँगा। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री अश्विनी कुमार चौबे को श्री राजेश रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।